परमात्म ऊर्जा

ज्ञानस्वरूप होने के बाद व मास्टर नॉलेजफुल, मास्टर सर्वशक्तिवान होने के बाद अगर कोई ऐसा कर्म जो युक्तियुक्त नहीं है वह कर लेते हो, तो इस कर्म का बन्धन अज्ञान काल के कर्मबन्धन से पद्यगुणा ज़्यादा है। इस कारण बन्धन युक्त आत्मा स्वतन्त्र न होने कारण जो चाहे वह नहीं कर पाती। महसूस करते हैं कि यह नहीं होना चाहिए, यह होना चाहिए, यह मिट जाए, खुशी का अनुभव हो जाए, हल्कापन आ जाए, सन्तुष्टता का अनुभव हो जाए, सर्विस सक्सेसफुल हो जाए व दैवी परिवार के समीप और स्नेही बन जाएं। लेकिन किए हुए कर्मों के बन्धन कारण चाहते हुए भी वह अनुभव नहीं कर पाते हैं। इस कारण अपने आपसे व अपने पुरूषार्थ से अनेक आत्माओं को सन्तुष्ट नहीं कर सकते हैं और न रह सकते हैं। इसलिए इस कर्मों की गुह्य गति को जानकर अर्थात् त्रिकालदर्शी बनकर हर कर्म करो, तब ही कर्मातीत बन सकेंगे। छोटी गलतियां संकल्प रूप में भी हो जाती हैं, उनका हिसाब-किताब बहुत कड़ा बनता है। छोटी गलती अब बड़ी समझनी है। जैसे अति स्वच्छ वस्तु के अन्दर छोटा-सा दाग भी बड़ा दिखाई देता है। ऐसे ही वर्तमान समय अति स्वच्छ, सम्पूर्ण स्थिति के समीप आ रहे हो। इसलिए छोटी-सी गलती भी अब बड़े रूप में गिनती की जाएगी। इसलिए इसमें भी अनजान नहीं रहना है कि यह छोटी-छोटी गलतियां हैं, यह तो होंगी ही। नहीं। अब समय बदल गया। समय के साथ-साथ पुरूषार्थ की रफ्तार बदल गई। वर्तमान समय के प्रमाण छोटी-सी गलती भी बड़ी कमज़ोरी के रूप में गिनती की जाती है। इसलिए कदम-कदम पर सावधान! एक छोटी-सी गलती बहुत समय के लिए अपनी प्राप्ति से वंचित कर देती है। इसलिए नॉलेजफुल अर्थात् लाइट हाउस, माइट हाउस बनो। अनेक आत्माओं को रास्ता दिखाने वाले स्वयं ही रास्ते चलते-चलते रूक जाएं तो औरों को रास्ता दिखाने के निमित्त कैसे बनेंगे? इसलिए सदा विघ्न विनाशक बनो।

कथा सरिता

कन्या की समझदारी

एक बार की बात है, एक राजा शिकार करने के लिए वन में गए, एक हिरण को देख कर उन्होंने अपने घोड़े को उसके पीछे दौड़ाया। हिरण का पीछा करते हुए उनके बाकी के साथी उनसे पीछे ही रह गए।

राजा दूर एक ऐसे जंगल में पहुंच गया, जहाँ मीलों तक पानी नहीं था, राजा को प्यास ने बहुत ही ज़्यादा व्याकुल कर दिया था, जब राजा और कुछ आगे बढ़े तो उन्हें एक किसान की झोपड़ी दिखाई दी, राजा दौड़कर झोपड़ी के पास गए। जहाँ पर उस झोपड़ी के पास आठ-नौ साल की कन्या खेल रही थी। राजा ने उस कन्या से कहा बेटी शीघ्र ही एक गिलास जल लाओ, मुझको बहुत ज़ोर से प्यास लगी है।

उस कन्या ने राजा को आम मुसाफिर समझ कर एक खाट लाकर डाल दी और बैठने के लिए कहा तथा जल का एक गिलास लाकर राजा के हाथ में थमा दिया। राजा ने देखा कि पानी में तिनके पड़े हुए हैं, जिनको देख कर राजा को बहुत क्रोध आया और उसी आवेश में आकर उस कन्या से कहने लगे कि तुम्हारे पिता कहाँ हैं? कन्या ने उत्तर दिया, मिट्टी को मिट्टी में मिलाने गए हैं।

राजा को लड़की पर और ज़्यादा क्रोध आया, परंतु प्यास लगी थी, जल पीना था इसीलिए राजा क्रोध को दबा कर कहने लगे कि और साफ जल लाओ, वह कन्या जल लाने के लिए फिर से झोपड़ी के अन्दर गयी, इतने में ही उस लड़की का पिता भी वहाँ आ गया, उसने तुरंत राजा को पहचान लिया और उसने प्रणाम किया राजा को और कहने लगा कि 'हुजूर आप एक गरीब की झोपड़ी में कैसे पधारे? राजा कहने लगा कि मैं शिकार के लिए वन में आया था, अपने साथियों से बिछड़ कर दूर आ गया हूँ, मुझे बहुत ज़ोर से प्यास लगी थी, यहाँ तुम्हारी कन्या से मैंने जल मांगा, तब तुम्हारी कन्या जल में तिनके डाल कर ले आई, जब मैंने तुम्हारे बारे में पूछा तो उसने कहा कि "मिट्टी को मिट्टी में मिलाने गए हैं"।

कन्या के पिता कहने लगे हुजूर कन्या ने ठीक ही उत्तर दिया है, एक सज्जन के बच्चे की मौत हो गई थी हम उसके शरीर को मिट्टी में दबाने गए थे, इतने में वो कन्या भी जल का गिलास लेकर आ गई, किसान ने पूछा कि बेटी तुमने राजा को अच्छा जल क्यों नहीं दिया? कन्या ने उत्तर दिया, "पिता जी राजा धूप में भागते हुए आये थे। सारे शरीर से पसीना छूट रहा था, यदि आते ही जल पिला दिया जाता तो वो जल गर्म और ठंडे की वजह से राजा को नुकसान हो सकता था, मैं इनको मना तो नहीं कर सकी, परंतु जल में तिनके डाल लाई, ताकि राजा कुछ समय तक जल न पी सकें।

राजा कन्या की चतुरता को देख बहुत प्रसन्न हुए और अपने गले से बहुमूल्य हीरों का हार उस कन्या के गले में डाल दिया, उनको हमेशा-हमेशा के लिए दरिद्रता के दुःखों से छुड़ा दिया।

जब यहाँ का राजा भी प्रसन्न होकर यहाँ के दुःखों से हमें छुड़ा देता है तो फिर परमपिता परमात्मा राजी हो गये तो फिर किसके अन्दर ताकत है जो हमको किसी प्रकार का कष्ट दे सके! परंतु परमात्मा को प्रसन्न करने के लिए सच्चे प्रेम की आवश्यकता है।

भरतपुर-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ के संस्थापक पिताश्री ब्रह्मा बाबा के जीवन और संस्थान के इतिहास पर आधारित एनिमेटेड फिल्म 'द लाइट' की आरडीबी मल्टीप्लेक्स भरतपुर में स्क्रीनिंग के अवसर पर डॉ. सुभाष गर्ग,विधायक, ब्र.कु. कविता दीदी,सह प्रभारी आगरा सबज़ोन,जिला प्रभारी भरतपुर, कृष्ण कुमार अग्रवाल,संभागीय अध्यक्ष,चेम्बर ऑफ कॉमर्स, अनुराग गर्ग,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष,अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन दिल्ली,भरतपुर, चंद्रकांत बंसल,डायरेक्टर,आरडीबी मल्टीप्लेक्स, कर्नल तेजराम, ब्र.कु. जुगल किशोर भाई, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. बबीता दीदी, ब्र.कु. पूनम बहन, ब्र.कु. अमरसिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता, डॉ. तान्या, अम्युशन डिपो, ब्र.कु. प्रवीणा बहन, ब्र.कु. गीता बहन, ब्र.कु. पावन बहन, ब्र.कु. योगिता बहन सहित अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

सिरसा-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ के दिव्यांग सेवा प्रभाग द्वारा विशेष बच्चों के मानसिक तथा बौद्धिक विकास के लिए पूरे भारत में चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत एक अभियान पंचकुला से चलकर सिरसा पहुंचा। इस अभियान के समापन पर हिसार रोड स्थित ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र आनंद सरोवर में आयोजित कार्यक्रम में सिरसा के दिशा संस्थान, प्रयास तथा आर के जे वेलफेयर सेंटर फॉर पर्सन विद स्पीच एंड हीयरिंग इम्पेयर के बच्चों तथा टीचर्स से विशेष रूप से भाग लिया। इस मौके पर संस्थान के दिव्यांग सेवा प्रभाग के प्रमुख ब्र.कु. सूर्यमणि भाई, वृंदावन से गौवत्स आचार्य श्री सत्यदेवानन्द जी महाराज, मण्डलीय बाल कल्याण अधिकारी बहन कमलेश चाहर, दिशा संस्थान के निदेशक तथा पल पल के मुख्य सम्पादक सुरेंद्र भाटिया, विकलांग संघ के स्टेट प्रेसिडेंट बंसी लाल जी तथा स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. बिंदू दीदी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

नरवाना-प्रेम नगर(हरियाणा)। विश्व पर्यावरण दिवस पर राजीव गांधी पॉलिटेक्निक कॉलेज में पैधारोपण करने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. ममता बहन, ब्र.कु. मीना बहन, कॉलेज के प्रिंसिपल जसवंत सिंह, स्टाफ तथा स्टूडेंट्स, डॉ. साधुराम, आरएएफ फोर्स के सदस्य।

झुंझुनूं-राज.। खेल मैदान में वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ करते हुए थाना अधिकारी राम मनोहर सिंह, ब्र.कु. साक्षी बहन, प्रधानाचार्य राधेश्याम तानेनिया, जिला परिषद सदस्य अजय भालोठिया, पूर्व सरपंच राजेंद्र प्रसाद, पूर्व जिला परिषद सदस्य राजीव गोरा, पूर्व तहसीलदार मंगल चंद सैनी, पंचायत समिति सदस्य दीपेंद्र सिंह, चंदू शर्मा तथा अन्य।

टोंक-राज.। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चंदलाई एवं ब्रह्माकुमारीज़ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. ऋतु दीदी ने पौधारोपण करने के साथ ही सभी को प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरुक किया। इसके साथ ही देवनारायण मंदिर के सेवक बाबा रामलाल भगत को ईश्वरीय संदेश देने के साथ ही मंदिर परिसर में भी विभिन्न प्रकार के पौधे लगाये गये। इस मौके पर ब्र.कु. रेखा, ब्र.कु. शकुंतला व ब्र.कु. सागर सहित अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें मौजूद रहे।